राजस्थान सरकार
आयुक्तालय कॉलेज शिक्षा, राजस्थान, जयपुर
Block-4, Dr.RKS Sankul, JLN Marg, Jaipur- 302015, Rajasthan
Website: http://hte.rajasthan.gov.in/dept/dce/ e-mail: cce_raj@yahoo.com Ph.: 0141-2706847 (O);

क्रमांकः एफ (8)अकाद/आकाशि/2020/1052-60 दिनांक 22 जून 2020

समस्त प्राचार्यगण/सह आचार्यगण/सहायक आचार्यगण
कॉलेज शिक्षा राजस्थान।

विषय– WAKE UP (Walk the Walk) के क्रम में।

महोदय,

काफी लम्बे समय से इच्छा थी कि आप सभी से सीधा संवाद किया जाए, परन्तु लॉकडाउन की इस अवधि ने इसमें थोड़ा विलम्ब कर दिया। इस संवाद के पीछे भावना यह है कि गत सत्र के दौरान व लॉकडाउन की अवधि में आप सभी ने जिस तरह से कार्य किया है, उसके प्रति आपका आभार व्यक्त किया जाए। राज्य सरकार ने गत सत्र से उच्च शिक्षा की पहुंच को बढाने व गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को सुनिश्चित करने के भाव से कार्य किया हैं। आप सभी धन्यवाद के पात्र हैं कि राज्य सरकार के इस संकल्प के साथ आप सभी ने कटिबद्ध होकर सहयोग दिया है।

मैं अपनी बात कहने से पहले गत सत्र के दौरान आप सभी के द्वारा जो उल्लेखनीय कार्य किये गये हैं, उन्हें याद करना चाहूंगा क्योंकि गत सत्र के कार्यों का सिंहावलोकन, आप सभी के प्रति मेरे हृदय में श्रद्धा का भाव उत्पन्न करता है।

आयुक्तालय में महाविद्यालयों की भागीदारी और महाविद्यालयों में आयुक्तालय की सीधी पहुंच को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से आयुक्तालय में पदस्थापित सभी अधिकारियों को महाविद्यालयों के प्रतिनिधि के रूप में प्रभारी नियुक्त करने की पहल की गई, जिसकी आशा अनुरूप सार्थक परिणाम सामने आये।

12 जनवरी 2019 को युवा दिवस के अवसर पर माननीय उच्च शिक्षा मंत्री जी के निर्देशानुसार राजकीय महाविद्यालयों में युवाओं को निःशुल्क कोचिंग देने के उद्देश्य से प्रतियोगिता दक्षता कक्षाओं के संचालन का संकल्प लिया गया, जो 54 हजार विद्यार्थियों की भागीदारी से साकार हुआ तथा नवीन सत्र में 15 जुलाई से पुनः आरम्भ हो कर उत्तरोत्तर वृद्धि की ओर अग्रसर रहा।

26 जनवरी 2019, गणतंत्र दिवस के अवसर पर सामान्य ज्ञान की पुस्तकों के निःशुल्क वितरण का शुभारम्भ किया गया, जिससे 2 लाख से अधिक विद्यार्थी लाभान्वित हुए। इस पुस्तक पर आधारित 13 जुलाई 2019 को राज्यस्तरीय सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता परीक्षा का आयोजन हुआ, जिसमें 60 हजार से अधिक विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। इसी श्रृंखला में 15 अगस्त 2019, स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर अंग्रेजी व्याकरण की पुस्तकों का भी निःशुल्क वितरण किया गया।

सत्र 2019–20 के ग्रीष्मावकाश में राजकीय महाविद्यालयों में आयोजित समर कैम्पस की सफलता, विद्यार्थी–शिक्षक–संवाद का एक बेहतरीन उदाहरण सिद्ध हुई।

गत सत्र की हमारी सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण उपलब्धि को याद करें तो राजकीय महाविद्यालयों में 1 जुलाई से सत्र का प्रारम्भ होना था। 1 जुलाई से नियमित शैक्षणिक सत्र प्रारम्भ होना दिवा स्वप्न लगता था, परन्तु हम सभी ने कृत संकल्पित होकर न केवल 1 जुलाई से वास्तविक अध्यापन प्रारम्भ किया बल्कि इस अध्यापन को निर्धारित पाठ्यक्रम के अनुसार नियोजित कर नियमित भी रखा। सह–शैक्षणिक गतिविधियों के समरूप आयोजन के लिए विभाग द्वारा प्रथम बार **'आकाशि कैलेण्डर'** भी जारी किया गया।

Scanned with CamScanner

राजकीय महाविद्यालयों में प्रथम बार सदन व्यवस्था, अन्तर सदनीय गतिविधियां, कॉलेज कम्यूनिटी कनेक्ट कार्यक्रम, मासिक परीक्षाओं के आयोजन जैसे नवाचारों में, विद्यालय स्तर का अनुशासन व महाविद्यालय स्तर की स्वतंत्रता का अनूठा संगम देखने को मिला।

जुलाई माह में आयोजित बिना वीक्षक के मासिक परीक्षा, जहां एक ओर कौतूहल का विषय थी, वहीं विद्यार्थियों में नैतिक–मूल्यों के प्रति सजगता उत्पन्न करने का अनूठा प्रयास भी थी। विद्यार्थियों के बौद्धिक–उन्नयन के साथ–साथ, शारीरिक–विकास को भी दृष्टि में रखते हुए 'अर्जुन दृष्टि कार्यक्रम' के अन्तर्गत खेल दिवस का आयोजन, अन्तरमहाविद्यालयीय प्रतियोगिताएं– नवाचारों की श्रृंखला में एक और कड़ी के रूप में जुड़े।

महाविद्यालयों में गुणात्मक अभिवृद्धि के लिए माननीय मुख्यमंत्री जी की दूरदर्शिता के परिणामस्वरूप बजट घोषणा के AAP व RACE कार्यक्रमों को आयुक्तालय द्वारा योजनाबद्ध रूप से लागू किया गया। RACE कार्यक्रम के अन्तर्गत अधिकारों व दायित्वों का विकेन्द्रीकरण करते हुए, राजकीय महाविद्यालयों में जिलेवार उपलब्ध भौतिक व मानव संसाधनों के, आदान–प्रदान द्वारा उनका अधिकतम् क्षमता तक उपयोग किया जाना सम्भव हो पाया। AAP कार्यक्रम से महाविद्यालयों में गुणवत्ता के प्रति सतत सजग रहने की ललक पैदा की गई। इसके अन्तर्गत राजकीय महाविद्यालयों का वास्तविक मूल्यांकन व श्रेणी सुधार हेतु व्यवस्थित प्रयास किये गये ताकि उन्हें उत्कृष्ट संस्थानों में ढाला जा सके।

एक प्रसिद्ध उक्ति है कि **अच्छा शिक्षक वहीं है जो जीवनपर्यन्त विद्यार्थी बना रहे।** इसी उक्ति को WAKE UP- We Aspire to Knowledge Enhancement and Updating Pedagogy (Walk the Walk) के रूप में चरितार्थ करने का एक प्रयास किया जा रहा है। महाविद्यालय–शिक्षा के स्तर तक आते–आते विद्यार्थी के समक्ष उसके भविष्य व रोजगार को लेकर चिन्तन प्रारम्भ हो जाता है। विद्यार्थी– जीवन में इस महत्त्वपूर्ण पड़ाव पर आपका मार्गदर्शन और सलाह न केवल उसके लिए बल्कि समाज के लिए समीचीन होती है। अधिकांश विद्यार्थी राजकीय सेवा में अपना भविष्य देखते हैं और हम सभी ने अपने विद्यार्थी काल में इस प्रक्रिया से गुजरते हुए प्रतियोगी परीक्षाओं के चक्रव्यूह को भेदा है। इसलिए निश्चित रूप से हम से श्रेष्ठ मार्गदर्शक उस विद्यार्थी के लिए कोई और हो ही नहीं सकता। प्रतियोगी परीक्षाओं का प्रारूप प्रति वर्ष बदलता रहता है। आज के विद्यार्थी को सही मार्गदर्शन देने के लिए इन प्रारूपों की अद्यतन जानकारी होना आवश्यक है। अधिकांश प्रतियोगी परीक्षाओं का पाठ्यक्रम स्नातक स्तरीय ही होता है। यदि महाविद्यालय शिक्षा के दौरान हम विद्यार्थियों में यह ललक और भाव उत्पन्न कर दें कि जो उन्हें पढ़ाया जा रहा है, वहीं उनके स्वप्न को पूरा कर सकता है।

WAKE-UP- We Aspire to Knowledge Enhancement and Updating Pedagogy (Walk the Walk) का उद्देश्य–

1. आपके ज्ञान को अद्यतन करने के साथ–साथ उसे प्रभावी रूप में विद्यार्थी तक प्रेषित करना।
2. डिग्री पाठ्यक्रम व प्रतियोगी–परीक्षाओं के पाठ्यक्रम में सीधा सम्बन्ध स्थापित कर कक्षा–कक्ष अध्यापन को रोचक और समीचीन बनाने के साथ–साथ "कोचिंग कक्षाओं के महंगे बाजार" पर विद्यार्थियों की निर्भरता समाप्त करना।
3. कक्षा–कक्ष में निर्धारित पाठ्यक्रम की एकरसता को भंग करना व विद्यार्थी की रूचि जागृत करना।
4. संबंधित विषय में हो रहे परिवर्तन–परिवर्द्धन के संबंध में विद्यार्थियों को परिचित करवाना।
5. प्रतियोगी परीक्षाओं के अद्यतन प्रारूप से विद्यार्थियों को अवगत करवाने व उनको इस बाबत सही मार्गदर्शन प्रदान करना।
6. सूचना प्रौद्योगिकी के युग में उपलब्ध सूचना–भण्डार में से सारगर्भित व आवश्यक तथ्यों के संकलन हेतु विद्यार्थी को समर्थ बनाना।
7. महाविद्यालयों में विद्यार्थियों की उपस्थिति के प्रतिशत में अभिवृद्धि करना।

Scanned with CamScanner

8. विषय का अद्यतन ज्ञान होने से विद्यार्थियों में जीवन के प्रति व्यवहारिक दृष्टिकोण विकसित करना।

9. विद्यार्थियों में व्यवहारिक दृष्टिकोण विकसित होने से स्वयं व समाज के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित होना।

10. संकाय सदस्यों में प्रतियोगी परीक्षाओं के अद्यतन प्रारूप को अपने शिक्षण शास्त्र में शामिल करने की प्रवृत्ति विकसित करना ताकि आगामी संबंधित परीक्षाओं के संभावित प्रश्नों की पूर्व तैयारी कक्षा अध्यापन में करवाई जा सके।

वेकअप के अन्तर्गत आपको आपके विषय से संबंधित एक प्रश्न–पत्र भिजवाया जा रहा है। ये प्रश्न–पत्र गत वर्षों की प्रतियोगी परीक्षाओं (सिविल सेवा, राजस्थान प्रशासनिक सेवा, नेट, स्लेट इत्यादि)के प्रश्न–पत्रों पर आधारित है। इस प्रश्न–पत्र में कुल 27 प्रश्न होंगे जिनमें से 15 प्रश्न बहु–विकल्पात्मक, 05 प्रश्न अति लघु–उत्तरात्मक, 05 प्रश्न लघु–उत्तरात्मक व 02 निबंधात्मक प्रश्नों को सम्मिलित किया गया है। इन प्रश्नों में से निम्नलिखित 02 प्रश्न सभी के लिए समान होंगेः–

1. महाविद्यालय छात्र–केन्द्रित शैक्षणिक व सह–शैक्षणिक गतिविधियों के जीवंत केन्द्र कैसे बन सकते हैं और विद्यार्थियों में आनंदम् की प्रवृति (जॉय ऑफ गीविंग) को किस प्रकार पल्लवित किया जा सकता है ?

2. गत पांच वर्षों में किन–किन व्यक्तियों को आपके विषय से संबंधित क्षेत्र में नोबल पुरस्कार प्राप्त हुआ व क्यों प्राप्त हुआ? (वाणिज्य संकाय के सदस्य अर्थशास्त्र के क्षेत्र में, हिन्दी व अंग्रेजी संकाय के सदस्य साहित्य के, कला संकाय के सदस्य शांति के क्षेत्र में और विज्ञान संकाय के सदस्य भौतिकी, रसायन व चिकित्सा के क्षेत्र में प्राप्त नोबल पुरस्कार के संबंध में टिप्पणी दें)

उक्त प्रयोजनों/उद्देश्यों के दृष्टिगत आप द्वारा किया गया यह प्रयास जहां एक ओर आपकी शिक्षण–पद्धति, विषय के प्रति आपके दृष्टिकोण में परिवर्तन लाएगा वहीं अपने विषय की सार्वभौमिकता व अन्य विषयों के साथ उसके संबंध से परिचित होने में भी कारगर सिद्ध होगा। साथ ही विद्यार्थियों में विषय के प्रति आलोचनात्मक व विवेचनात्मक दृष्टिकोण विकसित करने की दिशा में सहायक होगा। कहा भी गया है–

अचिनोति च शास्त्रार्थं आचारे स्थापयत्यति ।
स्वयमप्याचरेदस्तु स आचार्यः इति स्मृतः ।।

भावार्थ– जो स्वयं सभी शास्त्रों का अर्थ जानता है, दूसरों के द्वारा ऐसा आचार स्थापित हो इसलिए अहर्निश प्रयत्न करता है और ऐसा आचार स्वयं अपने आचरण में लाता है, उन्हें आचार्य कहते है।

आप सभी आगामी दस दिवसों में इन प्रश्न पत्रों को हस्तलिखित हल कर, उसकी उत्तर–प्रति अनिवार्य रूप से प्राचार्य के माध्यम से आयुक्तालय भिजवाया जाना सुनिश्चित करेंगे। आयुक्तालय द्वारा यह प्रयास किया जायेंगा कि वेकअप की गतिविधि नियमित अन्तराल से हो ताकि उपरोक्त उद्देश्यों की प्राप्ति हो सके। वेकअप पहल की रूपरेखा आयुक्तालय में पदस्थापित समस्त संकाय सदस्यों/विषय विशेषज्ञों से विचार–विमर्श के उपरांत तैयार किया गया है, फिर भी यदि इस संबंध में कोई सुझाव हो तो, आमंत्रित है।

अतः प्राचार्यगण अपने महाविद्यालय में पदस्थापित समस्त संकाय सदस्यों मय प्राचार्य को, आयुक्तालय द्वारा महाविद्यालय की ई–मेल पर प्रेषित संबंधित विषय के प्रश्न–पत्रों का प्रेषण सुनिश्चित करते हुए प्रश्न–पत्र की हस्तलिखित हल उत्तर प्रति को संकलित कर व्यक्तिशः आयुक्तालय की अकादमिक शाखा में 02 जुलाई 2020 तक भिजवाया जाना सुनिश्चित करेंगे। इस सम्बन्ध में किसी भी प्रकार की अतिरिक्त जानकारी हेतु डॉ. पंकज गुप्ता, सहायक आचार्य के मोबाईल नम्बर 9799700200 से कार्यालय समय में सम्पर्क किया जा सकता है।

Scanned with CamScanner

मुझे आशा ही नहीं पूर्ण विश्वास है कि पूर्व की भांति आप सभी इस कार्य को सर्वोच्च प्राथमिकता प्रदान कर उच्च शिक्षा के क्षेत्र में नवीन आयाम स्थापित करेंगे।

(प्रदीप कुमार बोरड़)
आयुक्त,
कॉलेज शिक्षा विभाग, राजस्थान, जयपुर

क्रमांकः एफ (8)अकाद/आकाशि/2020/1052-60 दिनांक 22 जून 2020

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित है–

1. निजी सचिव, माननीय उच्च शिक्षा राज्य मंत्री, राजस्थान, जयपुर।
2. निजी सचिव, शासन सचिव, उच्च शिक्षा विभाग, राजस्थान, जयपुर।
3. निजी सचिव, आयुक्त, कॉलेज शिक्षा, राजस्थान, जयपुर।
4. अतिरिक्त निजी सचिव, अतिरिक्त आयुक्त, कॉलेज शिक्षा, राजस्थान, जयपुर।
5. क्षेत्रीय सहायक निदेशक, कॉलेज शिक्षा, अजमेर/जयपुर/जोधपुर/उदयपुर/कोटा/बीकानेर/भरतपुर।
6. सभी प्रभारी अधिकारीगण, कॉलेज समूह, आयुक्तालय कॉलेज शिक्षा, राजस्थान, जयपुर।
7. वेब प्रभारी, आयुक्तालय कॉलेज शिक्षा, जयपुर को अपलोड करने हेतु।
8. रक्षित पत्रावली।

(बी.एल. गोयल)
अतिरिक्त आयुक्त,
कॉलेज शिक्षा विभाग, राजस्थान, जयपुर

Scanned with CamScanner